डॉक्टर्स डे : सेवा, समर्पण और संवेदना का प्रतीक

एक जुलाई 2024 को मनाए जाने वाले नेशनल डॉक्टर्स डे (राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस) की थीम हिलिंग हैण्ड्स, है। यह विषय देता है, जो रोगी की करूणा के साथ चिकित्सकों द्वारा अपनी दैनिक प्रैक्टिस में लाए गए करुणा और समर्पण पर जोर देखभाल प्रदान करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। डॉक्टर और मरीज के बीच का संबंध जितना मजबूत होगा, स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता उतनी ही बेहतर होगी। हमें स्वास्थ्य सेवा सुधारने के प्रयासों को जारी रखना चाहिए और डॉक्टरों को उन सभी चुनौतियों से निपटने में सहयोग

देना चाहिए, जो वे अपने पेशे में सामना करते हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बल मिलेगा, बल्कि रोग निवारण और उपचार में भी सुधार होगा, जिससे एक स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण होगा। भारत में डॉ. बिधान चंद्र रॉय के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 'डॉक्टर्स-डे' के रूप में मनाया जाता है। दिनांक 1 जुलाई, 1882 को पटना (बिहार) में जन्में डॉक्टर रॉय ने पहले कलकत्ता और फिर लंदन (इंग्लैंड) में चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई की और फिर भारत लौटकर एक बेहतरीन डॉक्टर के रूप में अपनी पहचान बनाई, बल्कि महात्मा गाँधीजी के साथ देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया। कांग्रेस के नेता रहने के बाद वे पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी बनें और दिनांक 1 जुलाई, 1962 को उनका स्वर्गवास हो गया।

आइए डाक्टर्स डे 2024 के अवसर पर हिलिंग हैण्ड्स, केयरिंग हार्टस के साथ चिकित्सक रोगी के बीच विश्वास बढ़ाते चलें। आज का युग धर्म है कि देश को चलाने वाली सरकारें एवं देश की जनता हैल्थ, हाइजीन, हॉस्पिटल को प्रायोरिटी में रख कर जागरूकता बढ़ाते हुए स्वस्थ जीवन जीने का सबक ले सकें। देश की सरकार हैल्थ केयर पर जी डी पी का 1.5 प्रतिशत नहीं वरन् पांच प्रतिशत तक खर्च करें। सरकारी अस्पतालों का इंफ्रा स्ट्रक्चर, एवम् मेन पॉवर सुदृढ़ बनाते हुए चिकित्सको को सरकारी नौकरियों में बेहतरीन इंफ्रा स्ट्रक्चर एवं अच्छी तनख्वाह दी जावे जिससे सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों को प्रॉमिसिंग करियर का मार्ग प्रशस्त हो सके। आशा है कि कोरोना काल खण्ड में सीखे गए अध्यायों से देश की चिकित्सा व्यवस्था में संजीवनी का संचार होगा। इसके लिए रोगियों को अपने स्वास्थ्य की सम्पूर्ण जिम्मेदारी लेते हुए स्वस्थ जीवनचर्या अपनानी होगी। चिकित्सकों को भी केयर (देखभाल), कंपैशन (दयालुता), कम्युनिकेशन (संवादशीलता), कोमपेटेंस (दक्षता) पर ध्यान देना होगा एवं रोगियों का विश्वास जीतने के लिए हर संभव प्रयास करने होगें।

डॉ. सुरेश पाण्डे
वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक
सुवि नेत्र चिकित्सालय, कोटा

मनोरोग से पॉजिटिव मेंटल हेल्थ की ओर अग्रसर है कोटा

हमारे समाज में मानसिक बीमारी को अभिशाप दशकों से माना जाता रहा है। आलम यह है कि इस रोग को या इस रोग के डॉक्टर को पागलों के डॉक्टर की संज्ञा समाज में दी जाती है। लेकिन कोटा शहर इस मामले में विश्वस्तर पर सौभाग्यशाली है क्योंकि उसे एक ऐसे डॉक्टर मिले हैं जिन्होंने न केवल मनोरोग की परिभाषा बदल दी बल्कि अब वे उसे पॉजिटिव मेंटल हेल्थ की दिशा में तेजी से आगे लेकर जा रहे हैं। कोटा की विश्ववप्रसिद्ध मनोरोग चिकित्सक 81 वर्षीय डॉक्टर एम.एल.अग्रवाल वे चिकित्सक हैं जिनके अथक प्रयासों से आज कोटा में मनोरोग और नशे के खिलाफ जागरूकता इस स्तर पर पहुंच चुकी है कि व्यक्ति इस रोग या फिर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति शर्म नहीं करता। उसमें अब मानसिक रोग का इलाज करवाने और नशा छोड़ने के लिए ईलाज करवाने की हिम्मत आ गई है। यह सफर डॉ.एम.एल. अग्रवाल ने काफी कठिनाइयों का सामना करके पूरा किया है। 1968 में राजस्थान यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस करने वाले डॉक्टर एम.एल. अग्रवाल ने 1969 में कोटा के एमबीएस अस्पताल में इंटर्नशिप पूरी की थी तभी से उनके मन में मनोरोग के प्रति जागृति और इलाज के लिए संसाधन उपलब्ध करवाने का जज्बा पनप गया था। लंबे प्रयासों के बाद 1978 में उनकी पोस्टिंग कोटा में मेडिकल ऑफिसर के रूप में हुई। तब कोटा में मनोरोग का कोई विभाग नहीं था। कोटा में मनोरोग का विभाग स्थापित करने के लिए डॉक्टर एम.एल. अग्रवाल ने कई प्रयास किये तथा तथ्यात्मक जानकारियां सामने रखीं। उसके पश्चात 12 मई 1983 में कोटा में मनोरोग विभाग स्थापित हुआ और तब से लगातार कोटा शहर मनोरोग की दिशा में साल दर साल नए आयाम स्थापित करता जा रहा है। डॉ. अग्रवाल ने हमसे वार्ता में बताया कि उस दशक मैं मनोरोग को एक अभिशाप के रूप में माना जाता था। जब उन्होंने कोटा में काम शुरू किया तो उन्हें पागलों के डॉक्टर के रूप में पहचाना जाने लगा। इसको लेकर उन्होंने जागरूकता भी फैलाई और इस दिशा में लगातार आज भी काम कर रहे हैं। डॉ एम.एल. अग्रवाल बताते हैं कि ज्यादातर मरीज नशे का शिकार होकर मनोरोग से ग्रसित हो जाते थे। ऐसी स्थिति को देखते हुए दिसंबर 1985 में उन्होंने लाइंस क्लब के साथ नशे के खिलाफ जागृति के शिविर लगाए। इस प्रयास में बाद में कई एनजीओ संस्था उनसे जुड़ती चली गई और आज भी यह प्रयास अविरल चल रहे हैं। इस चर्चा में डॉक्टर एम.एल. अग्रवाल ने एक महत्वपूर्ण पहलू पर जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में न केवल मनोरोग का इलाज आवश्यक है बल्कि इससे भी ज्यादा आवश्यक है कि हम पॉजिटिव मेंटल हेल्थ के लिए सोचें। पॉजिटिव मेंटल हेल्थ क्या है इसको लेकर डॉक्टर एम.एल. अग्रवाल कहते हैं कि केवल बीमारी ना होना अच्छे मानसिक स्वास्थ्य का द्योतक नहीं है। आप तनाव और विपरीत परिस्थितियों में किस तरीके का व्यवहार करते हैं वह आपकी मेंटल हेल्थ को प्रदर्शित करता है। आप समाज के निचले तपके से कैसा व्यवहार करते हैं, मां-बाप के प्रति आपका रवैया कैसा है, अपने बड़ों को कैसे सम्मान देते हैं यह सब पॉजिटिव मेंटल हेल्थ में ही आता है। सीधी भाषा में यूं कहें कि आज जो आपके संस्कार कहे जाते हैं वे पॉजिटिव मेंटल हेल्थ की सूचक होते हैं। कोटा शहर वर्तमान समय में कोचिंग हब बन चुका है। छोटी उम्र में ही अभिभावक यहां अपने बच्चों को शिक्षा के लिए छोड़ कर चले जाते हैं। कोटा में आत्महत्या के मामले भी बढ़ रहे हैं इन स्थितियों पर चर्चा करने पर डॉक्टर एमएल अग्रवाल कहते हैं कि पेरेंट्स को बच्चों में कॉपिंग स्किल्स

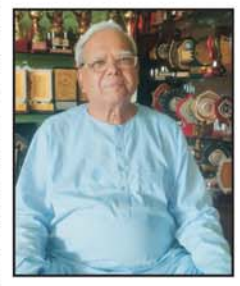

(तनाव का सामना करने की क्षमता) डेवलप होने तक उसे अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। कॉपिंग स्किल्स बच्चों में बचपन से ही डेवलप होनी शुरू हो जाती हैं। 15-16 साल की उम्र में यह मॉडिफाई होती हैं और इनका विकास क्रमबद्ध होता रहता है। कॉपिंग स्किल डेवलप होगी तो बच्चा समस्याओं का सामना आसानी से कर लेगा। कॉपिंग स्किल परिवार के साथ रहने से ही ज्यादा डेवलप होती हैं। डॉ अग्रवाल बताते हैं कि मेंटल हेल्थ का ध्यान मां के पेट में बच्चों के होने से ही रखना पड़ता है। मां को तनाव न दिया जाए, मेजर टीके लगाए जाएं, पर्याप्त मात्रा में न्यूट्रिशन डाइट दी जाए, डिलीवरी सेफ हैंड में होनी चाहिए। डिलीवरी के बाद बच्चों की चीख समय पर निकलना बहुत जरूरी होता है।क्योंकि इसी से बच्चों के मस्तिष्क तक ऑक्सीजन पहुंचती है। मां की मनोस्थिति और ब्रेस्टफीडिंग बच्चों की मेंटल हेल्थ में महत्वपूर्ण होती है। इसके बाद बच्चों की मानसिक हेल्थ में स्कूलिंग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चों में यौन एजुकेशन होना भी जरूरी है ताकि वे बायोलॉजी बदलाव के समय खुद को तनाव में महसूस ना करें। पॉजिटिव मेंटल हेल्थ के लिए वर्तमान समय में सतर्क रहने की आवश्यकता है।

दंत चिकित्सा में आधुनिक हुआ कोटा

दन्त चिकित्सा के क्षेत्र में कोटा में दस सालों से अभुतपूर्व बदलाव आया है। जी हाँ अब हम कह सकते है कि दन्त चिकित्सा से संबंधित किसी भी जटिल से जटिल बीमारी का उपचार कोटा में ही संभव है, जो अत्याधुनिक ईलाज व तकनीकी अमेरिका या लंदन जैसे संपूर्ण विकसित राष्ट्रों में अपनाई जा रही है वही पद्धति अब कोटा में बखूबी करी जा रही हें तो अब दन्त चिकित्सा से संबंधित कोई भी ईलाज लाईलाज नही रहा। यहाँ तक की संपूर्ण चेहरे की बनावट को भी बदला जा सकता है। मात्र एक दिन में ही

पूरी फिक्स बत्तीसी तैयार हो जाती है। बच्चों से लेकर बूढों में आजकल दाँतो से संबंधित कई नयी बीमारियाँ भी सामने आ रही है, जो कि बहुत कॉमन हो चुकी हैं लेकिन उनका अत्याधुनिक ईलाज संपूर्णत: संभव है इसी विज्ञान को और आगे बढ़ाने में मधुबन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल बेहतरीन काम कर रहा है। जिसमें की दन्त चिकित्सा के साथ-साथ संपूर्ण शारिरीक चिकित्सा को अत्याधुनिक मशीनों व अनुभवी चिकित्सकों द्वारा किया जायेगा। हमारा उद्देश्य न सिर्फ कोटावासियों के लिए अपितु संपूर्ण हाड़ौती क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य व चिकित्सा प्रदान करना है। कुछ वर्ष पहले तक ही दन्त चिकित्सा की कई जटिल बीमारियों लिए मरीजों को कोटा से बाहर जाना पड़ता था। या फिर कोटा से बाहर से चिकित्सकों को बुलाना पड़ता था, परंतु अब विश्वस्तरीय ईलाज अब कोटा में ही हो रहा है।

डॉ. विवेक सक्सेना, डॉ. दीपिका जौहरी
डायरेक्टर
मधुबन डेन्टल एंड ईम्प्लान्ट क्लिनिक

ईएनटी के क्षेत्र में अग्रणी है महावीर ईएनटी हॉस्पिटल

कोटा में महावीर ईएनटी हॉस्पिटल नाक,कान,गला चिकित्सा के क्षेत्र में

सबसे ज्यादा अग्रणी अस्पताल है। ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ विनीत जैन के द्वारा यहां पर कई जटिल बीमारियों का उपचार किया गया है। इस अस्पताल में सरकारों के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी मरीज को उपलब्ध कराया जाता है। महावीर ईएनटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ विनीत जैन का मानना है कि वर्तमान समय में ग्रामीण अंचल के लोग नाक,कान,गला संबंधित रोगों को लेकर काफी जागरूक होने लगे हैं और यह आवश्यक भी है। ग्रामीण क्षेत्रों में तंबाकू सेवन की संख्या अधिक है इस कारण कई रोग ग्रामीणों को घेर लेते हैं। शहरी क्षेत्र में भी आजकल नाक, कान,गला संबंधित रोग को लेकर लोगों में जागरूकता बहुत तेजी से बड़ी है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, झालावाड़ (राज.)
डेंगू, चिकनगुनिया, स्वाईन फ्लू से डरे नहीं तुरन्त इलाज करावें।
डेंगू के लक्षण
◆ तेज बुखार
◆ सिर में आगे की ओर तेज दर्द
◆ मांसपेशियों व जोड़ों में तेज दर्द
चिकनगुनिया के लक्षण
◆ तेज बुखार आना
◆ जोड़ों में तेज दर्द
◆ शरीर पर लाल रंग के दाने बन जाते है
डेंगू, चिकनगुनिया बचाव के उपाय :- ◆ घरों व छतों पर छोटे डिब्बों, गमलों, परिण्डों, टार्स आदि में भरे हुए पानी को तुरन्त खाली करें। ◆ कूलर व पानी की टंकियों को सप्ताह में एक बार खाली कर पूर्ण सुखायें। ◆ शरीर को पूरी तरह से ढक सकने वाले कपड़े पहने व मच्छरदानी का प्रयोग करें। ◆ घर के खिड़की, दरवाजों में जाली का उपयोग करें। ◆ घर में कीटनाशक छिड़कें।
निवेदक - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, झालावाड़

सुवि नेत्र चिकित्सालय एवं लेसिक लेज़र सेन्टर, कोटा
Web.- www.suvieyehospital.com | Email- suvieye@gmail.com
सी-13 तलवण्डी, कोटा। Ph.: 9214205668, 9351412449
अमेरिका एवं आस्ट्रेलिया में 7 वर्षों का अनुभव
◆ लेसिक लेजर मशीन द्वारा चश्में एवं कॉन्टेक्ट लेंस से छुटकारा।
◆ टोपिकल फेको - मोतियाबिन्द ऑपरेशन, मल्टीफोकल/टोरिक लेंस प्रत्यारोपण।
◆ ऑकुलोप्लास्टिक सर्जरी द्वारा पलकों का उपचार। ◆ डॉर्क ईवा मशीन द्वारा रेटिना (पर्दे) का ऑपरेशन। ◆ नाखूना, भेंगेपन व ग्लूकोमा के ऑपरेशन।
◆ सी.थ्री.आर. तकनीक से किरेटोकोनस का ऑपरेशन।
रेटिना विशेषज्ञ डॉ. निपुण बागरेचा की पूर्णकालीन सेवाएं सुवि नेत्र चिकित्सालय, कोटा में उपलब्ध है।

डॉ. विदुषी पाण्डेय
MD (AIIMS), FRCS (UK)
डॉ. सुरेश पाण्डेय
MS (PGI), ASF (USA)

परामर्श समय- प्रातः 9 से 2, सायं 5 से 8 (रविवार 9 से 2)
राज्य सरकारी कर्मचारियों, RGHS कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के नेत्र उपचार/ऑपरेशन के लिए अधिकृत
We Provide Cashless Facility to TPA Card Holders
Books Written by Dr. Suresh K. Pandey & Dr. Vidushi Sharma (Available on Amazon)

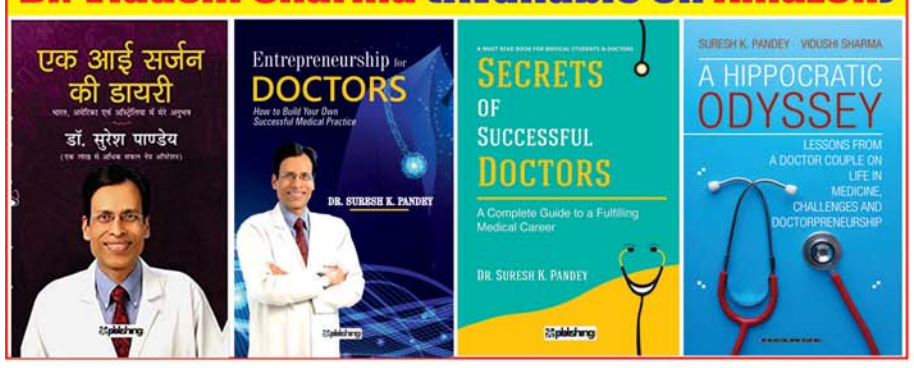

NABH प्रमाणित संस्थान
महावीर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
उत्कृष्ट सेवाऐं – उचित परामर्श – उत्तम उपचार
– व्यापक ई.एन.टी. सेवाऐं उपलब्ध –
ओटोलॉजी | साइनस सर्जरी
राइनोप्लास्टी | कैंसर निदान
शिशु ई.एन.टी. | फोनो सर्जरी
खर्राटो की सर्जरी | थायराइड सर्जरी

डॉ. विनीत जैन
एण्डोस्कोपिक ई.एन.टी. सर्जन
फैलोशिप : मुम्बई, फ्रांस एवं जर्मनी

IPC Module Xomed Microdebrider दूरबीन सर्जरी एवं Coblation सर्जरी की सुविधा
सभी प्रमुख TPA एवं हेल्थ इंश्योरेस द्वारा कैशलेस इलाज की सुविधा
RGHS | चिरंजीवी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
पता : 8-ए-4, महावीर नगर तृतीय चौराहा, कोटा (राज.) ☎ : 0744-2476760
8824287636 mahavirenthospital mahavirenthospital.com
अधिक जानकारी के लिए Google पर टाइप करें
Search Mahavir ENT Hospital
स्थान जानने के लिए स्कैन करें। Scan to know direction

मधुवन मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल
छत्र विलास गार्डन के सामने, आकाशवाणी कॉलोनी, कोटा
मो.: 7014993246, 9529203030, 0744-2323030

शहर के बीचों-बीच अनुभवी चिकित्सकों द्वारा अत्याधुनिक चिकित्सा पद्धति व नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित हॉस्पिटल
शहर की सबसे बड़ी डेन्टल यूनिट

डॉ.विवेक सक्सेना (डायरेक्टर)
B.D.S. (Indore), M.D.S. (Jaipur)
Implantologist (Romania, Europe)
E.C. Member (Rajasthan State Dental Counsil)
डॉ.दीपिका जौहरी
(Paedodontist)
B.D.S., M.D.S. (Meerut)
एक ही छत के नीचे चिकित्सा संबंधित समस्त सुविधाऐं व जाँचें उपलब्ध :-
चिकित्सकीय सुविधाऐं
❊ डेन्टल : सिंगल सिटिंग ईम्प्लांट, 3 दिन मे इम्प्लांट द्वारा फिक्स दाँत व बत्तीसी, सिंगल सिटिंग, R.C.T., बच्चों के दाँतों की R.C.T., बच्चों का अँगूठा चूसने का ईलाज, टेढ़े-मेढ़े दाँतो का ईलाज (Ortho Treatmernt)
❊ कॉस्मेटिक सर्जरी : चेहरे की सम्पूर्ण सर्जरी, थोड़ी को आगे व पीछे करना (आर्थोग्नेथिक सर्जरी), हेयर ट्रांसप्लांट, गंजेपन का ईलाज, कटे होंठ व कटे तालु का ईलाज, फेस लिफ्ट (सर्जरी)
❊ मेडीसिन : सर्दी खांसी, जुकाम, बुखार, डेंगू, मलेरिया, स्वाइन फ्लू, टाइफाइड व टी.बी. का ईलाज।
❊ सर्जरी : पेट से संबंधित एवं समस्त प्रकार की जनरल सर्जरी।
❊ मेटरनिटी : पूर्ण आधुनिक सुविधाओं से डिलीवरी।
जाँच सुविधाऐं
❊ पेथोलोजी लैब : संपूर्ण खून-पेशाब, मल-मूत्र, हार्मोनल जांच सुविधा, 3D-4D रंगीन सोनोग्राफी
X-Ray, O.P.G., PNS, Chest, Hand, Foot, 2-D इको, E.C.G.
थाईराइड T3, T4, TSH
आयरन टेस्ट TIBC
किडनी फंक्शन टेस्ट
HBsAG टेस्ट
कम्पलीट ब्लड काउंट CBC
लीवर फंक्शन टेस्ट
लिपीड प्रोफाइल
विटामिन B12, D3, C, K
FSH, LH & PROLACTIN
❊ मेडिकल स्टोर : समस्त प्रकार की दवाईयाँ 24 घंटे उपलब्ध।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

डा.एम.एल.अग्रवाल एवं डॉ अरुणा अग्रवाल को
रोटरी अंतर्राष्ट्रीय द्वारा एवेन्यू ऑफ सर्विस (क्रिस्टल अवॉर्ड)
एवं
रोटरियन डॉ. अरूणा अग्रवाल
को रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 द्वारा
"अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस" व "क्लब सर्विस अवार्ड"
से सम्मानित किए जाने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
ONWARD
समस्त स्टाफ एवं मित्रगण
अग्रवाल न्यूरो साईकेट्री सेन्टर
A-11, Jawahar Nagar, Kota 1-B-31 (SFS) Talwandi, Kota
E-mail : drmlagrawal@gmail.com ; website : www.drmlagrawal.in